GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _0917**

Classification:

Original File No: Unsigned document

Title

LUTHERAN KHARIA MAHASABHA 1994_ MATTER OF KHARIA TRIBE

Volume:

Running **from year:** **till year: 1994**

Content:

- **Erect monument for Late Rev. Martin Tete and social matters of Kharia tribe _ Kharia language & traditions**

लूथेरान खड़िया महासभा

1994 का

संकलित बात

1• स्व0आरणीय मार्टिन टेटे के नाम से पत्थर गाड़ी विषयक बातें :-

स्व0आरणीय मार्टिन टेटे हमारे (हमों का) प्रकाश प्रदर्शित दीपक के सिर रहे थे। ईर्ष्या से मुन्डा-उरांव लोग (दिखाने द्वारा)

षड्यंत्र द्वारा मार डाले(हत्या कर) डाले। जिसके लिए स्व0माननीय मार्टिन टेटे के नाम से खुटी टोली में पत्थर गाड़ी गई ही।

2• मिश्र के (मुंडा-उरांव) के बन्धन से कैसे मुक्त होंगे(छुटकारा पायेंगे) हमलोग 1960 के संविधान मुताबिक मुन्डा-उरांव के बन्धन में हैं। कलिसाई जीवन में हमें आगे बढ़ने नहीं दे रहे हैं। इस वास्ते हमारे संगठन को मजबूत करना है। (ठोस बनाना है)। इस विषय पर दो तीन व्यक्ति द्वारा लंबी चौड़ी वाद-विवाद हुई एवं ठोस बात में पहुंचे कि हमलोग(मुंडा-उरांव) के बंधन से निकल जाएंगे। 8 जून 1994 के सामुहिक बैठक में महामाननीय बाबू बिलौरे डुंगडुंग ने (द्वारा) घोषणा। आज ही से खड़िया खून (मुंडा-उरांव) के बंधन से मुक्त हो गये (छुटकारा पा गये)। सभी खड़िया अपने को मध्य अंचल के सदस्य मान लें।

3• सामाजिक नेग दस्तूर-एक ही गोत्र के पुत्र पुत्री का संबंध नहीं जोड़ सकता है। दूसरी जाति के साथ कुटुम्ब जोड़ने नहीं सकता है। सुखमुड़ के एवज में रकम लेना चाहे तो लकरावट्टा के(में) निर्णयानुसार 1000•00(एक हजार) रूपया देना होगा। अन्य-अन्य सारी बातें 1987 के आर के मुताबिक सभी खड़िया को चलना होगा। किसी को आर लांघना महासभा नहीं देगी। जो आर लांघेगा,सभा दंड(सजा) देगी।

4• महासभा को मजबूत करने के लिए सभी खड़िया को घर-घर से एक कोरी (बीस)रू0 चन्दा कर रूपैया को महासभा के खजाना में भेज दिया जाय।

5• स्व0 माननीय मार्टिन टेटे के नाम से पत्थर गाड़ी के लिए सभी खड़िया के घर से 10(दस) रू0 चन्दा ठहराया गया है। उक्त देन को सभी खड़िया के घर से बटोर कर महासभा के खजाना(कोष) में जमा कर दिया जाय।

6• खजांची का चुनाव: महासभा का खजांची बाबू जयमसीह कुल्लू शरीरिक दुर्बलता के कारण खजाने के भार से त्याग पत्र दे दिया। सभा ने त्याग पत्र स्वीकार किया एवं नया खजांची चुना गया।

जुरकेल निवासी पूज्य तिमुथियुस डुंगडुंग बाबू धनकुंवार सोरेंग सेरोमडेगा का नाम प्रस्ताव किये एवं और बाबू एलिया केरकेट्टा ने समर्थन किया। सभा में सभी ने इस बात को मानी ली। महा श्रद्धेय बाबू बिलौरे डुंगडुंग ने घोषणा किए-"आज लूथेरान खड़िया महासभा बाबू धनकुंवर सोरेंग को कोषाध्यक्ष चुन लिए। आज ही से महासभा को पदभार संभालेंगे।

बिलौरे डुंगडुंग
महासभापति

लूथेरान खड़िया महासभा

एनेम डुंगडुंग
महालेखक

एक्सप्रेस प्रिंटिंग सिमडेगा।